

सियाराम बोल ॥२॥ राधे श्याम बोल ॥२॥  
 ये तन मिले न दुबारा पगले ॥३३३३३३॥  
 जरा मुंह तो खोल-

सियाराम बोल----

सोचो जरा तख चौरासी भटके  
 हर योनी में खाये, कितने झटके  
 बोलो रामा- बोलो श्यामा

मौका मिला है- सुनहरा प्राणी ॥३३३३३॥

बड़ा अनमोल- सियाराम बोल---

सत्ता न गरीबों को- कहीं रो देगा  
 आहों से तेरी जड़ को- वो खो देगा  
 बोलो रामा- बोलो श्यामा

आँसू भारी पड़ेगे तुझको ॥३३३३३३॥

इनकान मौल- सियाराम बोल-----

रोंये "श्रीबाबाश्री" दशा देख सुदामा  
 पैर फटे हैं इनके- तन पे न जामा

बोलो रामा- बोलो श्यामा

आँसू पैर पखारें जिनके ॥३३३३३३॥

मनुआंन डोल- सियाराम बोल-----